मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

माह : जून 2026

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

01.06.2026 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

मौसी

मेरी प्यारी-प्यारी मौसी,
मुझको लाड़ लड़ाती है।
जब भी होती है छुट्टी,
घर अपने ले जाती है।।

मम्मी की बहना है लगती,
पर मेरी तो माँ जैसी है।
माँ की तरह ममता लुटाए,
इसलिए वो प्यारी मौसी है।।

रचना- भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

नाना

गर्मियों की जब छुट्टियाँ होती,
सब नाना के घर जाते।
नाना सबको प्यार करते,
घर की ढाल हैं कहलाते।।

प्यार सबको प्यार हैं करते,
गलती पर डाँट भी लगाते।
बाहर घुमाने हमें ले जाते,
मनपसन्द सामान दिलवाते।।

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

3

मामा

मामा के घर जाते सब,
मिलकर मौज उड़ाते सब।
मिलकर सब हुड़दंग मचाते,
और शरारत कर छुप जाते।।

पीछे से फिर मामा आते ,
हमको थोड़ी डाँट लगाते।
जब रूठे तो हमें मनाते,
बच्चों संग बच्चे बन जाते।।

रचना- बृजराजसारस्वत(स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़(1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

4

नानी

जब गर्मी की छुट्टी होती,
हम नानी के घर जाते।
खूब लुटाती हम पर ममता,
और प्यार सब बरसाते।।

मम्मी की मम्मी है नानी,
मातामही कहलाती हैं।
स्वादिष्ट भोजन हैं पकाती,
आँखों पर चश्मा लगाती हैं।।

रचना- शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

02.06.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

छुट्टियाँ

गर्मी की छुट्टियाँ बच्चों को,
खेलने, घूमने की याद दिलाती।
नाना-नानी, बूआ, मौसी के,
घर जाने की बात आती।।

बाग, खेत, ट्यूबवेल पर खेलें,
दूध-दही मनचाहा खाते।
बच्चों को छुट्टियों के दिन,
अच्छे लगें बहुत ही मन भाते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2

नानी का घर

अपनी माँ का मायका,
नानी का घर कहलाता।
गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को,
भरपूर आनन्द दिलाता।।

नानी के हाथ का बना,
स्वादिष्ट खाना मिलता।
लाड़-प्यार और दुलार का,
नानी का घर, केन्द्र होता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3

घूमने जाना

छुट्टी आयी खुशियाँ छायी,
नानी के घर जायेगें।
बैठेंगे खिड़की के पास,
धूम खूब मचायेंगे।।

नदी किनारे खेलेंगे,
रेत के घर बनायेंगे।
आँगन में डालेंगे झूला,
नानी की गोद में गीत गायेंगे।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

4

खेल-खेलना

छुट्टी के दिन जब आते हैं,
पूरी फुरसत तब पाते हैं।
पढ़ने की नहीं चिन्ता सताए,
खेल-खेलने में मजा आए।।

कैरम, लूडो, शतरंज खेलो,
गेंद-बल्ला साथ में ले, लो।
जी भरकर हम संग में खेलेंगे,
गर्मी की छुट्टी का आनन्द ले लेंगे।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · मिशन शिक्षण संवाद · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

03/06/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

सैर सपाटा

सोनू मोनू निकले करने सैर सपाटा,
साथ सामान भी लिया छोटा मोटा।
ढेरो पकवान अपने साथ बँधवाये,
नदी मे नहाने के लिए रखा लोटा।।

गर्मी की छुट्टियो मे करेगे सैर सपाटा,
नदी मे भी लगायेगे खूब दोनो गोता।
गर्मी की छुट्टियाँ सबको खूब भाती है,
नाना- नानी से मिलने की खुशी दे जाती है।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

पहाड़ों की सैर

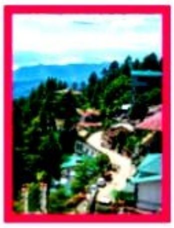

गर्मियों का मौसम आया,
गर्मी ने बहुत है तड़पाया।
पहाड़ों की सैर को मन ललचाया,
मम्मी-पापा संग घूमने का प्लान बनाया।।

चारों ओर पहाड़ों का नजारा,
प्रकृति का रूप निराला।
ठंडा-ठंडा मौसम पाकर,
मन को बहुत सुकून है आया।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

गर्मियों के फल

गर्मियों का मौसम आया,
संग अपने रसीले फल लाया।
तरबूज, खरबूजा हम खाते,
मीठे आम का भी स्वाद लेते।।

लीची देख मुंह में पानी आ जाता,
अंगूरों को झट हम खा जाते।
खीरा-ककड़ी पापा जब लाते,
सलाद संग उन्हें हम खाते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

गर्मियों में पेयजल

गर्म हवा चलती जोर
तपती धरती चहुं ओर।
पानी- पानी हम करते,
शीतल पेय जल मन भरते।।

शिकंजी, शरबत,गन्ना रस,
आनंद लें ना कहता बस।
मैंगो शेक, लस्सी हैं पहचान,
गर्मियों में सबका चहेता सोपान।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

04/06/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

आम

आम की है अब भरमार,
अम्मा डालो खूब अचार।
लंगड़ा, दशहरी, देसी हो,
भरे पड़े हैं पूरे बाज़ार।

मैंगो शेक भी पीना है,
आम पन्ना हो खुशबूदार।
सोते जगते आम ही दिखें,
आम की जैसे आई बहार।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

फल

रंग-बिरंगे मीठे फल,
सबको लगते बड़े सरल।
सेब, केला, आम सुहाना,
खाकर मन हो जाए दीवाना।।

अंगूर, संतरा रस भर लाते,
शरीर को ताकत भी दिलवाते।
रोज़ फल हम खाएँ भाई,
स्वस्थ रहें और खुशी पाएँ।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

गर्मी की छुट्टियाँ

पकड़म-पकड़ा, छुपम-छुपाई,
लूडो, कैरम की बारी आई।
मस्ती में सब मस्त हैं बच्चे,
गर्मी की छुट्टी जब से आई।।

खेल खेलते, घूमने जाते,
धमा-चौकड़ी खूब मचाते।
छुट्टी का खूब मज़ा ले रहे,
ट्यूबवैल पर खूब नहाते।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

नानी का घर

नानी के घर जायेंगे,
मौज मस्ती बनायेंगे।
खेल, तमाशे, छुपन-छुपाई,
दौड़ लगायें मिल भाई-भाई।

नाना नानी बलइयां लेते,
जो भी मागें, वो सब देते।
स्कूल की हो गई छुट्टी देखो,
मम्मी जल्दी नानी घर पहुंचो।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

मिशन शिक्षण संवाद
· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·
05/06/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

नानी का घर

मम्मी की मम्मी का घर,
मुझको प्यारा लगता है।
गर्मी की छुट्टी में ननिहाल,
जाने का मन करता है।।

नानी-नाना, मामी-मामा,
मौसी सब ही मिलते हैं।
सारे भाई बहन मिलकर,
हम सब मस्ती करते हैं।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

गर्मियों की मस्ती

गर्मी की इन छुट्टियों में,
खूब मस्ती हम करेंगे।
स्कूल गृहकार्य के साथ,
खूब कहानियाँ सुनेंगे।।

नाना-नानी के घर जाकर,
बाग बगीचे की सैर करेंगे।
आम के बागों में जाकर,
मीठे-मीठे आम भी खायेंगे।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

नानी की कहानियाँ

गर्मियों की छुट्टियों में,
हम नानी के घर जाते है।
मामा संग बाजार जाकर,
खेल-खिलौने लाते है।।

तरह तरह के व्यंजन,
मामी हमें खिलातीं है।
नैतिकता वाली कहानियाँ,
नानी हमें सुनातीं है।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

मस्ती

गर्मी आ
देखो कि
आम ल
मौज-म

खा ताजे फल, खूब व्यंजन,
रसगुल्ला, रबड़ी, जलेबी खाई।
दोस्तों संग खेले खूब खेल,
दादी माँ ने कहानी सुनाई।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

06/06/2026 **शनिवार**

बाल साहित्य सृजन

1

छुट्टियों के दिन

गर्मी की छुट्टियों के दिन,
जब होती मौज मस्ती।
हम जाते नानी के घर,
खेलते लूडो,कबड्डी,कुश्ती।।
पूरे करते कई कार्य,
घूमते-फिरते साथी संग।
करते मनपसंद कार्य,
घूमने जाते माता पिता संग।।

रचना-
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी,
खजुहा, फतेहपुर

2

कॉमिक्स

रंग-बिरंगी कॉमिक्स हमारी,
नई-नई इसमें कहानी होती।
छोटे-बड़े खूब चित्रों वाली,
छोटे-बड़े सभी को भाती।।
कार्टून का यह संसार,
चित्र बताते सारी बात।
बात समझ में सबकी आती
रोचक सबके मन को लगती।।

रचना -
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

3

घूमना फिरना

प्रकृति में छिपा,
जीवन का सार।
घूमने फिरने से,
मिलता ज्ञान अपार।।
कभी घने जंगल,
तो कभी हरे पेड़।
घूमना फिरना है,
अनुभव का आधार।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि० लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

नानी का घर

नानी का घर प्यारा-प्यारा,
लगता जैसे सपना न्यारा।
आँगन में खिलते हैं फूल,
मिलती वहाँ सबको शीतल धूल।।
नानी सुनाती मीठी कहानी,
खुश हो जाती हर इक नादानी।
छुट्टियों में सबसे प्यारा घर,
नानी का घर लगता सुंदर।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी स०अ०
कंपोजिट उ० प्रा० विद्यालय खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

मिशन शिक्षण संवाद

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

08.06.2026

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

व्यायाम

प्रतिदिन व्यायाम से रहता है,
सदैव शरीर स्वस्थ हमारा।
तैराकी, दौड़-कूद आदि,
विभिन्न अभ्यासों के द्वारा।।

तनाव मिटता है व्यक्तित का,
शरीर सुडौल हो जाता है।
माँसपेशियाँ मजबूत रहती,
तन-मन सुडौल बन जाता है।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2

सहयोग करना

गर्मियों की छुट्टियों में,
माता-पिता का सहयोग करो।
काम में हाथ बँटाओ,
शरीर को निरोग करो।।

सभी के साथ मिल-जुलकर,
घर के सारे काम करो।
सहयोग की भावना में,
तुम अपना भी नाम करो।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

सुबह उठना

सुबह-सवेरे जो भी उठता,
वही कहलाता प्यारा बच्चा।
समय से सोना, समय पर जगना,
सभी के लिए होता अच्छा।।

सुबह उठकर मात-पिता को,
प्रतिदिन तुम सब करो प्रणाम।
अच्छे बच्चे कहलाओगे,
इसके बाद करो व्यायाम।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

4

योग

योग करो, भई योग करो,
तन और मन निरोग करो।
स्वस्थ रहो और मस्त रहो,
काम में अपने व्यस्त रहो।।

प्राणायाम का करो अभ्यास,
नियन्त्रित होगा श्वास-प्रश्वास।
योगासन तुम नित्य करो,
मन पर अपने विजय करो।।

रचना-
बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1- 8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

09.6.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

तैरना

पानी में तैरने हम जाएँ,
मस्ती करें मौज उड़ाएँ।
तैरना है साहस का काम,
न समझना इसे आसान।।

हाथ-पैर पानी में चलाते,
आगे पानी में राह बनाते।
अच्छे तैराक बन पाओगे,
अगर रोज़ तैरने जाओगे।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

2

साईकिल चलाना

सुवह उठे कुछ दोस्त मिले,
चले उठाकर साईकिल को।
गली में घूमे, गिरे भी लेकिन,
टाल दिया हर मुश्किल को।।

बड़ा शौक बचपन का होता,
साईकिल हम चलाएँगे।
थोड़ी ही चाहे हो दूरी,
तुरन्त काम कर आएँगे।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3

क्रिकेट खेलना

बल्ला और गेंद का खेल,
क्रिकेट है कहलाता।
दो टीमों के बीच,
क्रिक्रेट खेला जाता।।

बच्चों के मन पसन्द,
क्रिक्रेट का खेल होता।
अन्तर्राष्ट्रीय-स्तर पर भी,
यह खेल, खेला जाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

4

दौड़ना

छुट्टी आयी, धूम मचाओ,
भागो भाई, दौड़ो भाई।
धूप खिले या छाँव आए,
दौड़ लगाओ, वाह भाई।।

नंगे पाँव, धूल उड़ाओ,
हँस-हँसकर के शोर मचाओ।
आगे-पीछे, तू और मैं,
पकड़-पकड़ी खेल जमाओ।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.

शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · मिशन शिक्षण संवाद · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

10/06/2026

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

नीम की छाँव

छुट्टियों मे नानी के घर जाना,
संगी सखियों संग खूब खेलना।
नीम की छाँव तले दिन भर रहना,
गर्मी का बिल्कुल अहसास ना होना।।

वही पर नानाजी लोगों का रहना,
हँसी मजाक खूब बातें करना।
नीम की छाँव का सबको सहारा,
सूरज भी तब लगता नीम से हारा।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

बचपन का खेल

बचपन में खेला करते थे,
बढ़िया-बढ़िया खेल।
कँचे और गोटियाँ खेलते,
खेलते छुपन-छुपाई खेल।।

ईट घिसकर लटटू बनाते,
एक डोरी से उसे घूमातें।
देख-देख हम खुश हो जाते,
बचपन के खेल बहुत याद आते।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

रात का आकाश

गर्मी का मौसम जब आता,
छत पर सोने का मन करता।
तारों से भरा आकाश दिखता,
रोशनी से जो जगमग रहता।।

तारों संग चांद भी रहता,
चांदनी जो रात में बिखेरता।
तारों से हम बातें करते,
छांव में इनकी फिर सो जाते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

छत पर सोना

गर्मियों की छुट्टी है आई,
चलो सभी घूम लो भाई।
बंटी, मीना पहुंचे नानी घर।
बिल्ली से मैं जाती हूं डर।।

छत पर सोना देता आंनद,
नाना की कहानी मुझे पसंद।
चंदा, तारें मुझसे करते बात,
ठंडी हवा भी देती मेरा साथ।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

आपका दिन शुभ हो..
शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429
संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

तरबूज

हरा-हरा है बाहर से,
भीतर से होता है लाल।
गर्मी में भैया तरबूज,
खाने से होता कमाल।।

पानी की कमी को,
ये पूरी करता है खूब।
काट काट कर खाओ,
या फिर बनाओ जूस।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

सूरज दादा

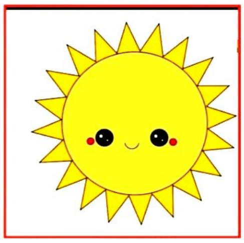

सूरज दादा सुबह-सुबह आते,
सुनहरी किरणें संग में लाते।
गर्मी में वे खूब चमकते,
धरती पर उजियारा भरते॥

हम पानी भरपूर पिएँ,
पेड़ों की छाया में जीएँ।
टोपी पहनकर बाहर जाएँ,
स्वस्थ रहें और मुस्काएँ॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

गर्मी की छुट्टी

गर्मी की जब छुट्टी आती,
घर में सबके खुशियाँ आती।
सुबह देर तक हम हैं सोते,
मम्मी हमको नहीं जगाती।।

खूब घूमते, खूब खेलते,
नानी घर मम्मी ले जाती।
खूब लड़ाती नानी प्यार,
नये-नये पकवान खिलाती।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

गर्मी

देखो, गर्मी का मौसम है आया,
सूरज ने हमको बहुत छकाया।
पारा पर पारा इनका चढ़ता,
तापमान नये कीर्तिमान गढ़ता।।

बच्चें, बूढ़ें, गरीब पर क्रोध दिखाये,
सड़कों पर लू के लपेटे खूब चलाये।
बाहर घूमनें हम, ना जा पाये,
पानी पी-पी कर प्यास बुझाये।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

12/06/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

छुट्टियाँ

छुट्टियों में खूब मजा करेंगे,
सुबह देर से जगा करेंगे।
टेस्टी नाश्ता मम्मी बनायेगी
लंच भी गर्म खाया करेंगे।।

शाम को रोज पार्क जायेंगे,
ठण्डी आइसक्रीम खायेंगे।
दोस्तों के साथ खूब खेलेंगे
डांस करके धूम मचाएंगे।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

छुट्टियों की मस्ती

गर्मियों की छुट्टियों में,
बारिश का मौसम आया।
गर्मी से राहत दिलाने,
तेज हवा भी साथ लाया।।

कागज की नाव बनाकर,
पानी में हम सब चलायेंगे।
समोसे और जलेबी खाकर,
दोस्तों संग बारिश में नहायेंगे।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

गर्मी की छुट्टियाँ

गर्मियों की छुट्टियों मे,
हम खूब धूम मचाएंगे।
मम्मी-पापा के संग,
हम तो घूमने जायेंगे।।

चाट पापडी और बतासे,
हम मिलकर खायेंगे।
खेल खिलौने और कपड़े,
हम खरीद कर लायेंगे।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

नाना का घर

नाना-नानी जी का घर,
लगता हमको बड़ा प्यारा।
गर्मी की छुट्टी में जाना,
लगता हमको सबसे न्यारा।

वहाँ न कोई हमे डाँटता,
न होता हमें कोई काम।
बस प्यार ही प्यार मिलता,
चाहे सुबह हो, चाहे शाम।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

15.06.2026 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

दौड़ लगाना

सुबह-सुबह तुम दौड़ लगा लो,
तन-मन अपना स्वस्थ बना लो।
सबसे बढ़िया यह व्यायाम,
थोड़ी देर फिर करो आराम।।

चुस्ती-फुर्ती तन में आती,
नहीं दिन में फिर सुस्ती छाती।
बिन पैसे का खेल है प्यारे,
दौड़ो मिल कर बच्चे सारे।।

रचना- बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1- 8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा

2

साइकिल चलाना

साइकिल चलाना होता है,
सबसे अच्छा व्यायाम।
तन-मन भी रहता है हल्का,
जीवन में मिलता आराम।।

प्रदूषण भी फैलेगा कम,
साइकिल सवारी करेंगे हम।
साथ ही ऊर्जा भी बचाएँगे,
देश को विकसित बनाएँगे।।

रचना- शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3

तैराकी

तैराकी है एक व्यायाम,
ताकत बढ़ाना इसका काम।
प्रतिदिन इसका लाभ लो,
मत लो फिर आलस का नाम।।

गर्मियों की इन छुट्टियों में,
शौक अपना तैराकी बनाओ
करो नित्य अभ्यास इसका तुम,
अपने तन को स्वस्थ बनाओ।।

रचना- भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4

सैर करना

सुबह-सवेरे उठकर,
सैर करना बेहतर।
शरीर स्वस्थ रहता,
स्मार्ट बन्दा लगता।।

मानव तन स्वस्थ रहता,
विचारों में आती सुन्दरता।
ऑक्सीजन भरपूर मिलता,
हमेशा रोगों से दूर रहता।।

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

16.06.2026

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

ए०सी०-बस

ए०सी०-बस सबसे न्यारी,
गर्मी में लगती प्यारी।
न गरम हवा न धूल-मिट्टी,
गर्मी की कर देती छुट्टी।।

सीट नरम है गद्देदार,
लगता जैसे घर का प्यार।
टी०वी० चलती, गाने सुनते,
सारे बच्चे मस्ती करते।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

2

रेलगाड़ी

सीटी देती रेल है चलती,
कई शहरों से यह गुजरती।
मंञ्जिल तक पहुँचाती है,
यात्रा आसान बनाती है ।।

पटरी-पटरी चलती जाती,
मनमोहक दृश्य हमें दिखाती।
हम सबका समय बचाती,
स्टेशन पर रुक, आगे जाती।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

3

हवाई जहाज

आसमान में उड़ता, दिखता,
हम देख खुश हो जाते।
हम भी कभी इसमें बैठें,
सपने मन में आ जाते।।

बढ़े शहरों में जहाँ सुविधाएँ हैं,
हवाई-अड्डे बने जहाज उतरते।
अधिक पैसों से टिकट मिल जाती,
यात्रा को आसान करते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4

नाव

एक प्रकार की जलयान,
जो पतवार से चलायी जाती।
छोटे और बड़े दोनों ही,
आकार में बनायी जाती।।

रंग-बिरंगी नावें,
बहुत आकर्षित लगतीं।
नदी किनारे नावें,
खूब देखने को मिलतीं।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० -राजपुर
मथुरा, मथुरा

बाल साहित्य सृजन

1

बदलता मौसम

कुछ कुछ देखो बदल रहा है,
अब यह मौसम बदल रहा है।
गर्मी का मौसम चल रहा है,
बारिश का भी मजा आ रहा है।

तपती धरती पर असर दिख रहा है,
रिमझिम फुहार मे आनन्द आ रहा है।
धीरे धीरे बहुत कुछ बदल रहा है,
अब यहाँ का मौसम बदल रहा है।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

खुला आसमान

खुला आसमान देखो,
समरूपता का रूप अनोखा।
भेद किसी के लिए नहीं करता,
सभी के लिए खुला है हमेशा।।

खुले आसमान के नीचे,
जीवन सभी का बीत रहा है,
प्रकृति के घटकों का,
मानव लाभ ले रहा है।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

आम की भरमार

गर्मी का मौसम आया,
संग आम की भरमार लाया।
चारों तरफ आम ही दिखते,
सबके मन को जो भाते।।

खाने में भी स्वादिष्ट लगते,
पना भी इसका हम बनाते।
ठंडा-ठंडा जूस आम का पीते,
प्यास अपनी हम बुझाते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

योग है जरूरी

सेहत के लिए योग जरूरी,
इसमे हो ना अब मजबूरी।
ध्यान,प्राणायाम इसके है अंग,
जो रखते तन निरोगी, सुन्दर मन।।

योग को जीवन मे अपनाओ,
तन,मन स्वस्थ निरोगी पाओ।
योग से मन खूब शांत रहता,
पढ़ने मे मन खूब है लगता।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

18/06/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

लू से बचाव

गर्म हवा से बचके रहना,
लू का कहर पड़े न सहना।
पानी पीना खूब सारा,
धूप में सिर ढ़ककर रखना।।

बिना बात न जाना बाहर,
खेल खेलना घर के भीतर।
थोड़े दिन की ही बात है,
फिर खेलेंगे हमतुम जमकर।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

कीवी

छोटी-सी कीवी बड़ी निराली,
स्वाद में खट्टी-मीठी प्यारी।
हरे रंग का इसका गूदा,
खाकर मन हो जाए ताज़ा॥

विटामिन से भरपूर होती,
ताकत की यह पोटली होती।
रोज़ कीवी जो भी खाए,
स्वस्थ शरीर वह पाए॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

योग का महत्व

हर दिन मेरे प्यारे बच्चों,
किया करो तुम ये काम।
दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर,
करो योग सुबह और शाम।।

व्यायाम और ध्यान से बच्चों,
मानसिक ऊर्जा बढ़ती है।
शरीर निरोगी रहे योग से,
योग में अद्भुत शक्ति है।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

गुब्बारे

खुशी का एहसास कराता,
मुरझाया चेहरा खिल जाता।
नीला, पीला, लाल गुलाबी काला,
दुबला, पतला, मोटा दिल वाला ।।

विविध डिजाइन,आकर्षक होता,
बच्चों को यह बहुत प्यार होता।
हवा के संगसंग रेस लगता,
आकाश में ऊपर उड़ता जाता।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

19/06/2026

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

लौट आओ बच्चों

दिन छुट्टी के बीत गए,
स्कूल खुलेगा अब बच्चों।
नाना नानी के घर से,
लौटके आओ घर बच्चों।।

अपना बस्ता ड्रेस कर लो,
अब तुम तैयार बच्चों।
लगातार स्कूल जाकर
बन जाना होशियार बच्चों।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

छुट्टियाँ खत्म

गर्मी की छुट्टियों में,
खूब मस्ती हमने की।
नाना-नानी के घर में,
बाग-बगीचे की सैर की।।

वापस घर जाने की,
बारी फिर से आ गयी।
अपने-अपने स्कूल में,
पढ़ने की बारी आ गयी।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

प्यारे दिन

छुट्टियों के दिन हमको,
लगते हैं बड़े प्यारे।
मौज-मस्ती करते रहते,
हम बच्चे सारे।।

खेल-खेलते तरह-तरह के,
खूब खिलौने लाते।
मम्मी-पापा के संग,
हम जब बाजार जाते।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

मजे का सफर

घण्टी अब नही बजती,
स्कूल का भी शोर नहीं।
खिल रहीं है धूप,
उठने का भी मन नहीं।।

न होमवर्क की चिंता,
न टेस्ट का कोई डर।
दोस्तों के साथ चले,
यूँ ही मजे का सफर।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

20/06/2026

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

चित्रकारी

मन के विचारों, भावनाओं को
कैनवास, कागज दीवारों पर।
उकेरकर बनाते दृश्यकला,
मनचाहा रंग बनाते चित्रकला।।

चित्रकारी के चार प्रकार,
मधुबनी, वारली, तंजौर।
पारंपरिक राजस्थानी कला
होती चित्रकारी या चित्रकला।।

रचना-
सुमन पांडेय प्र०अ०
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2

तैराकी

नीले-नीले जल के भीतर,
जब गोता लगाया जाता।
तन-मन खिल जाता है,
हाथ पैर हिलाया जाता।।

तैराकी एक खेल निराला,
तन-मन को बल देता है।
स्वस्थ और खुश रहने की,
आस को पूरी करती है।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी स०अ०
कंपोजिट उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3

कठपुतली

रंग-बिरंगी कठपुतली,
प्यारी सी मुस्कान।
धागों के सहारे करती,
नाच-गान की शान।।

लकड़ी से बनी हुई,
सुंदर इसका रूप,
मंच पर आते ही छा जाए,
जैसे मिले सभी को जान।।

रचना
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर

4

तीरंदाजी

छोटे-छोटे तीर बड़े-बड़े सपने,
मैदान में निशाना लगाते।
लक्ष्य देखकर मुस्कुराते,
दोस्तों संग अपने।।

धैर्य मेहनत और एकाग्रता,
दिलाते मेहनत का पैगाम।
दीपिका कुमारी ने तीरंदाजी में,
बढाया देश का मान।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

22.06.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

कविता

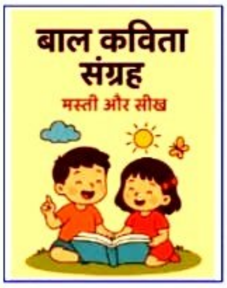

सबके मन को भाती कविता,
बच्चों को पसन्द आती कविता।
मन के भाव, बच्चों की दुनिया,
हर विषय पर लिखी जाती कविता।।

ज्ञान बढ़ाती, नीरसता भगाती,
तरोताजा कर स्फूर्ति लाती।
खेल-खेल में बोली जाती,
कविता काव्य भाव कहलाती।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

2

कॉमिक्स

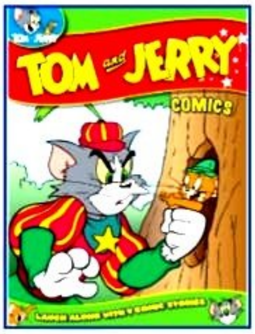

कॉमिक्स है एक अच्छा ज़रिया,
अपना ज्ञान बढ़ाने का।
चित्रों के संग पढ़ो कहानी,
काम न बाहर जाने का।।

चाचा चौधरी और साबू की,
जोड़ी सबको भाती है।
पिंकी, बिल्लू, नागराज की,
बातें दिल बहलाती हैं।।

रचना-
बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1- 8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा

3

कहानी

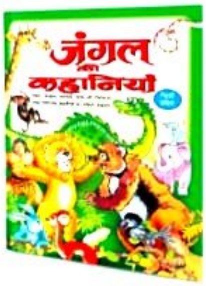

सब बच्चों को आओ सुनाऊँ,
अच्छी सी एक नयी कहानी।
एक शेर और बन्दर, चिड़िया,
या फिर राजा और हो रानी।।

परीलोक की सुन्दर बातें,
या फिर जंगल के हाल-चाल।
नानी और दादी से सुनना,
पुरानी लोक कथाएँ कमाल।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4

टी० वी०

टी०वी० एक अच्छा साधन,
अपना समय बिताने का।
लेकिन यह भण्डार भी है,
ज्ञान के अतुल खजाने का।।

छुट्टियों में टी०वी० देखो,
पर ज्ञान भी थोड़ा बढ़ जाए।
सामान्य ज्ञान के पर्वत पर,
हम एक पायदान चढ़ जाएँ।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

23.06.2026

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

गर्मी

बर्ष की छः-ऋतुओं में,
ग्रीष्म-ऋतु जो आती।
साधारण बोल-चाल में,
वह गर्मी कहलाती।।

वातावरण का तापमान,
प्रायः उच्च ही रहता।
भीषण गर्म-हवाओं से,
जून-माह सबसे गरम होता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2

लू

'लू' रानी का गुस्सा तेज,
धरती, जलती तवे सी तेज।
पत्ते, झरते, फूल, मुरझाएँ,
आँख-मिचौली खेल न पाएँ।।

हम बच्चे भी बड़े सयाने,
नींबू-पानी, सत्तू खाएँ।
खीरा-ककड़ी खूब चबाएँ,
'लू' को हम दूर से भगाएँ।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

3

बर्षा

बादल से बूँदें जो झलकाई,
मौसम ने ली अँगड़ायी।
ठण्डी-ठण्डी चली पुरवाई,
बर्षा आयी, जब बर्षा आयी।।

सूखी धरती मुस्काती है,
गर्मी से राहत पहुँचाती है।
पक्षी मधुर संगीत सुनाते,
किसान खुशी से गीत हैं गाते।।

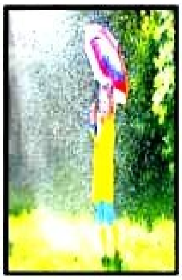

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4

आँधी

रंग-बिरंगी तितली रानी,
फूलों पर मंडराती है।
बैठे पंखों को सिकोड़कर,
रस को चूस उड़ जाती है।।

कोई छोटी है कोई बड़ी है,
सिर, धड़, पुच्छ भाग पीछे।
पंख ऊपर लम्बा बँट जाता,
होता जाता छोटा नीचे।।

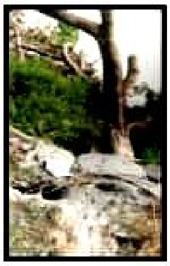

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · मिशन शिक्षण संवाद · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

24/06/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

वरदान

हम सब माँगे यह वरदान,
पूरे हो हमारे बिगड़े काम।
सच्ची भक्ति,शक्ति हमे देना,
नेक राह मे हमे सदैव चलाना।।

पावन गंगा जल हमे बनाना,
बुराईयो से हमको तुम बचाना।
दिल मे दया का सागर लहराये,
हम सदैव दूसरो के काम आये।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

ईमानदारी

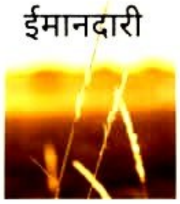

जीवन में ईमानदारी,
होती है बहुत लाभकारी।
आत्मविश्वास बना कर रखती,
जीवन में सुकून भी भरती।।

ईमानदारी से जब हम काम करते,
सफलता को हासिल करते।
नाम का परचम लहराते,
प्रेरणा स्रोत भी बन जाते।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

सच्ची मित्रता

सच्ची मित्रता जो निभाते,
एक-दूसरे का साथ न छोड़ते।
सुख-दुख में साथ रहते,
संग हमेशा साथ रहते।।

मित्रों को हम स्वयं चुनते,
छोटे-बड़े का भेद न रखते।
सब कुछ इनके संग बांटते,
खेलते कूदते मस्ती करते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

कर्म ही पूजा

जीवन मे कर्म ही है सच्ची पूजा,
इसके समान कोई काम ना दूजा।
कर्म को ही अपना साथी बनाओ,
मेहनत से कभी ना जी चुराओ।।

हम सब बने कर्मशील इंसान,
तभी बनेगा भारत मेरा महान।
काम करे पूरा हम मन लगाकर,
ईमानदारी के रंग मे रंगकर।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

25/06/2026 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

जामुन

जामुन ले लो काले-काले,
गोल-गोल होते मतवाले।।
कोई पेड़ से तोड़ खा रहा,
कोई चाट मसाला डाले।।

गर्मी के मौसम का ये फल,
खट्टा मीठा होता है।
मधुमेय के रोगी को इससे,
बड़ा फायदा होता है।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

गर्मी का संदेश

गर्मी में जब धूप सताए,
ठंडा पानी याद दिलाए।
पेड़ लगाओ, छाया पाओ,
धरती माँ को हरा बनाओ॥

फल खाओ और स्वस्थ रहो,
आलस छोड़ो, आगे बढ़ो।
मिल-जुलकर सब काम करेंगे,
गर्मी में भी खुश हम रहेंगे॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

गर्मी

उमस भरी हाय गर्मी आई,
कैसे करें ऐसे में पढ़ाई।
टप-टप टपक रहा पसीना,
बच्चों की है श्यामत आई॥

गुस्से में लाल है सूरज दादा,
बिजली भी तो नहीं है आई।
बार-बार ही पानी पीकर,
लड़नी है गर्मी से लड़ाई।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

वर्षा

काले-काले मेघ घिर आये,
बूदों के वो बाण चलाये।
छम-छम करतें रेस लगाये,
गरज-गरज के हमें डराये।।

तपती, जलती धरती मुस्काये,
सौंधी-सौंधी खुशबू उड़ाये।
पशु पक्षी गायें राग मल्हार,
धरतीपुत्र हर्षित हो बार-बार।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

26/06/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

स्वागतम् बच्चों

राम, रीता और अरमान,
स्कूल की घण्टी बुला रही है।
करो तैयारी, बैग लगा लो,
याद सभी को दिला रही है।

मास्टर जी और मैडम जी,
स्वागत में कक्षा सजा रहे हैं।
कक्षा कक्ष, कुर्सी ब्लैक बोर्ड
भी बच्चों तुमको बुला रहे हैं।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

स्कूल चलो

गर्मी की ये छुट्टियाँ,
अब खत्म हो गयी।
देखो फिर से स्कूल में,
जाने की बारी आ गयी।।

होमवर्क पूरा करके,
हम सब स्कूल जायेंगे।
अपने दोस्तों के संग,
पढ़ाई मस्ती भी करेंगे।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

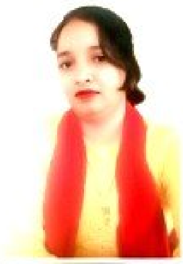

3

विद्यालय

विद्यालय की बगिया में,
फिर से रौनक आई।
प्यारे बच्चों! मन लगाकर,
अब तुम करो पढ़ाई।।

गुरुजनों ने बच्चों तुमको,
नैतिकता की राह दिखायी।
गुणवत्तापूर्ण अच्छी शिक्षा,
जीवन मे उजाला लायी।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

खुल गए स्कूल

गर्मी की छुट्टियाँ हुई खत्म,
खुल गए है, सब स्कूल।
सब बच्चों को स्कूल जाना,
यह बात, मत जाना भूल।।

दोस्तों से मुलाकात होगी,
बैठेंगे सब साथ-साथ।
ढेर सारी मस्ती होंगी,
पढ़ेंगे-लिखेंगे सब साथ।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

27/06/2026

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1 सुलेख

जब कोई लिखता सुंदर लेख,
लेख से झलकता व्यक्तित्व।
सुंदर लेख पहचान दिलाता,
अभ्यास से निखरता सुलेख।।
अंग्रेजी में केलीग्राफी कहते,
कलम व मार्कर से लिखते।
अक्षर की डिजाइन व माप,
निर्धारित कर सुलेख लिखते।।

रचना-
सुमन पांडेय प्र.अ
प्रा.वि टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2 बागवानी

मिट्टी से नाता जोड़ लिया जब,
खुशियों का रुख मोड़ लिया तब।
फिर नन्हें पौधे लगे मुसकाने ,
आँगन में सुंदर फूल खिलाने।।
बागवानी तो है पुण्य का काम,
पर्यावरण को मिले आराम।
बागवानी का जो है सुख पाता,
धरती मां का है कर्ज चुकाता।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर),गोरखपुर

3 योग

योगासन है स्वास्थ्य का उपहार,
योगसन अपनाओ बार-बार।
आओ तन-मन को स्वस्थ बनाएँ,
आओ योगासन रोज़ अपनाएँ।।
शरीर और मन का संतुलन बनाएँ,
यम, नियम, प्राणायाम अपनाएँ।
योगासन से बढ़ती है ऊर्जा,
तनाव घटता है दूजा।।

रचना -
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

4 दौड़ना

धूल उड़ाती सड़कें हैं,
तारे गिनती रात।
सपनो में रंग भरने को,
हम रंनिंग ट्रैक पर आज।।
पी.टी.ऊषा, मिल्खा सिंह,
हिमा दास हैं खास।
दौड़ में देश को दिला चुके,
कई पदकों की सौगात।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

29.06.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

शतरंज

चौसठ खानों का यह खेल,
राजा-रानी सबका है मेल।
ऊँट, वजीर, घोड़ा, हाथी,
सबकी चाल से होता खेल।।

छुट्टियों में शतरंज में,
अपना शौक जगाओ।
खेल-खेल में समझ लगाकर,
बुद्धि को तेज बनाओ।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

साँप-सीढ़ी

होता यह मजेदार खेल,
जिसमें चलती गोटी की रेल।
साँप-सीढ़ी बनी इसमें होती,
हरी, नीली, पीली, लाल गोटी होती।।

बार-बार पासा जब डालते,
अलग-अलग नम्बर सबके आते।
कोई नम्बर सीढ़ी चढ़वाता,
कोई है साँप से डसवाता।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

3

लूडो

पासों का यह सुन्दर खेल,
कोई पास और कोई फेल।
चार खिलाड़ी होते इसमें,
जीतेगा वो दम हो जिसमें।।

लाल, नीली, हरी, पीली,
गोटी हैं सब रंग-रंगीली।
बिन पासे के चले ना चाल,
करता है यह खूब कमाल।।

रचना-
बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1- 8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा

4

कैरम

कैरम एक इनडोर खेल है,
पचहत्तर वर्षों से खेला जाता।
बंगारू बाबू को इस खेल का,
जन्मदाता है कहा जाता।।

दो, तीन या चार खिलाड़ी खेलते,
लाल, काली, रानी गोटियाँ होती।
स्ट्राइकर की मदद से गोटियाँ,
पॉकेट में फिर हैं डाली जाती।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

30.06.2026

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

आम

गर्मी का फल, कई प्रकार का,
फलों का राजा कहलाता।
मीठा लगता स्वाद अलग,
शेक भी बनाया जाता।।

कच्चे-फल हरे, गूदेदार,
अचार, पना बनाते।
लौंजी, चटनी और मुरब्बा,
बड़े स्वाद से खाते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2

जामुन

जामुनी रंग का यह फल,
'जामुन' है कहलाता।
गर्मियों के दिनों में यह,
बहुत खाया जाता।।

अम्लीय-प्रकृति के कारण,
नमक के साथ खाया जाता।
राजमान, काला-जामुन, जमाली,
नाम से जाना जाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3

लीची

गर्मी की धूप में भाती,
बैशाख में रंग जमाती।
हरी, डाल पर लाल, दीप सी,
लीची ऋतु की बात बताती।।

न ताज है, न सिंहासन,
फिर भी फलराज कहलाती।
गर्मी की तपन मिटाकर,
शीतलता सबको दे जाती।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

4

आलू बुखारा

यह होता रस से भरपूर,
विटामिन-सी मिले प्रचूर।
खट्टा-मीठा खाने में होता,
लाल रंग का यह है होता।।

स्वास्थ्य को लाभ पहुँचाएँ,
बड़े चाव से सब इसको खाएँ।
लीची जैसा इसका आकार,
सेहत का यह देता उपहार।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- बृजराज सारस्वत, मथुरा
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- जुगल किशोर, झाँसी
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम